



केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

KENDRIYA HINDI SANSTHAN, AGRA

(केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा द्वारा संचालित Governed By Kendriya Hindi Shikshan, Mandal, Agra)

शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग), भारत सरकार

Ministry of Education (Dept. of Higher Education), Government of India

संस्थान परिचय AN INTRODUCTION

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 1961 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित अखिल भारतीय स्तर की एक स्वायत्तशासी शैक्षिक संस्था है। संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है। इसके 08 क्षेत्रीय केंद्र इन नगरों में हैं - दिल्ली (स्था. 1970), हैदराबाद (स्था. 1976), गुवाहाटी (स्था. 1978), शिलांग (स्था. 1987), मैसूर (स्था. 1988), दीमापुर (स्था. 2003), भुवनेश्वर (स्था. 2003), तथा अहमदाबाद (स्था. 2006) हिंदी भारत की एकता एवं अखंडता की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विद्यमान है। आधुनिक भारत के लिए राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ा मूल्य है, जो केंद्रीय हिंदी संस्थान के हर कार्यक्रम के मूल में विद्यमान है। इन तथ्यों को ध्यान में रखकर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल ने अपनी बहिर्नियमावली (मेमोरैंडम ऑफ़ एसोसिएसन) में कुछ संकल्प एवं कार्य निर्धारित किए हैं। इन कार्यों का विवरण इस प्रकार है-

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उद्देश्य

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुपालन में अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तुत, संचालित एवं उपलब्ध कराना जो इस भाषा के विकास और प्रसार की दृष्टि से उपयोगी हों।
- विभिन्न स्तरों पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता सुधारना, हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, हिंदी भाषा और साहित्य के उच्चतर अध्ययन का प्रबंध करना तथा हिंदी के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना और हिंदी भाषा एवं शिक्षण विषयक विविध अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना।
- विद्यार्थियों को रहने के लिए छात्रावासों का निर्माण, निरीक्षण एवं नियंत्रण करना।

Central Institute of Hindi i.e. Kendriya Hindi Sansthan is an autonomous educational institute governed by an autonomous organization Kendriya Hindi Shikshan Mandal which was established in 1961 by the Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India. The Headquarter of Sansthan is situated at Agra. It has 08 Regional Centres: Delhi (1970), Hyderabad (1976), Guwahati (1978), Shillong (1987), Mysore (1988), Dimapur (2003), Bhubaneswar (2003) and Ahmedabad (2006) established respectively.

Hindi works as a vital link for National integration of India. The Institute imbibes this characteristic of Hindi in all its activities. The Institute has been oriented to realize this goal through its various disciplines and the programmes organized there. In this background the institute has put some objectives in its memorandum. These objectives can be enshrined as following-

Objectives of KHSM

- To realize the constitutional obligation mentioned in section 351, the Institute works for the development of Hindi as an all India Language and make an attempt to prepare, organize and implement such types of the courses which can help to attain this broad objective.
- To improve the standards of teaching Hindi at various levels, to train Hindi teachers, to provide avenues for the advanced study of Hindi language and literature and Comparative Linguistics related to different Indian languages, to organize research in the teaching of the subject, to formulate, undertake and facilitate such courses.
- To establish, supervise and control hostels for the residence of the students

- (iv) अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की परीक्षा लेना तथा उपाधि प्रदान करना।
- (v) विभिन्न स्तर की पाठ्य पुस्तकें और अनुसंधान पुस्तकें तैयार करना और प्रकाशित करना।
- (vi) संस्थान के उद्देश्यों के अनुपालन में आवश्यकतानुसार पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।
- (vii) संस्थान की प्रकृति एवं उद्देश्यों के अनुरूप अन्य उन संस्थाओं के साथ जुड़ना या सदस्यता ग्रहण करना या सहयोग करना या सम्मिलित होना जिनके उद्देश्य संस्थान के उद्देश्यों से मिलते-जुलते हों।
- (viii) समय-समय पर नियमानुसार अध्येतावृत्ति (फेलोशिप), छात्रवृत्ति और पुरस्कार, सम्मान पदक की स्थापना कर हिंदी से संबंधित कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि।
- (iv) To hold examinations and grant diploma for various courses.
- (v) To prepare suitable text books, reference books and research oriented books for different levels of Hindi Teaching and learning and make them accessible after their printing and publication.
- (vi) To publish journals and magazines according to the goals of the Institute.
- (vii) To subscribe or become member or to cooperate with other associations with the Institutes working with similar objectives or to extend them affiliation, if required.
- (viii) By time to time, promoting the application of Hindi according to the given rules by providing Fellowships, Scholarships, Awards and Medals.

संस्थान की गतिविधियाँ

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपर्युक्त संकल्पों, उद्देश्यों एवं कार्यों को संपन्न करने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने अपनी गतिविधियों का निरंतर विस्तार किया है, इनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

1. शिक्षणपरक कार्यक्रम

(क) विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी शिक्षण

भारत सरकार की (विदेशों में) हिंदी प्रचार-प्रसार योजना एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत चुने गये विदेशी छात्रों के लिए मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

- | | | | |
|-------|---------------------------------|---|-----|
| (i) | हिंदी भाषा दक्षता प्रमाण पत्र | - | 100 |
| (ii) | हिंदी भाषा दक्षता डिप्लोमा | - | 200 |
| (iii) | हिंदी भाषा दक्षता उच्च डिप्लोमा | - | 300 |
| (iv) | स्नातकोत्तर हिंदी डिप्लोमा | - | 400 |

दिल्ली केंद्र के अंतर्गत उपर्युक्त पाठ्यक्रमों (1 से 3 तक) का संचालन स्ववित्त पाठ्यक्रम योजना के अंतर्गत किया जाता है। ये पाठ्यक्रम स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (पूर्व नाम: आईसीसी) के माध्यम से श्रीलंका में भी संचालित किए जाते हैं।

(ख) सांध्यकालीन पाठ्यक्रम (स्व-वित्तपोषित)

संस्थान के मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

- (i) परा-स्नातकोत्तर अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा
- (ii) स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा
- (iii) स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा

Activities of the Institute

In order to realize the above mentioned goals and objectives Central Institute of Hindi has continuously expanded its activities. The details are as follows-

1. Teaching-related Courses

(A) Hindi Teaching for Foreign Students

The Head Quarter, Agra and Delhi Centre organize following courses for the foreign students under the scheme for Propagation of Hindi Abroad-

- (i) Hindi Language Proficiency Certificate Course- 100
- (ii) Hindi Language Proficiency Diploma course -200
- (iii) Hindi Language Advanced Diploma - 300
- (iv) Post Graduate Hindi Diploma - 400

These courses (1 to 3) are conducted at Delhi Centre under self-finance scheme. The same courses are also being run in Sri Lanka through SVCC (formerly known as: ICC).

(B) Evening Courses (Self-Financed)

The Head Quarter and at its Delhi Centre the following courses have been organized -

- (i) Post M.A. Diploma in Applied Linguistics
- (ii) PG Diploma in Translation Theory and Practice
- (iii) PG Diploma in Mass communication and Journalism

2. शिक्षक-प्रशिक्षण परक कार्यक्रम

(क) हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के हिंदी शिक्षकों और हिंदी सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए मुख्यालय के अध्यापक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कक्षा-शिक्षण माध्यम से निम्नलिखित नियमित एकवर्षीय तथा द्विवर्षीय प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं -

- (i) हिंदी शिक्षण निष्णात- एम.एड. स्तरीय (आगरा)
- (ii) हिंदी शिक्षण पारंगत- बी.एड. स्तरीय (आगरा)
- (iii) हिंदी शिक्षण प्रवीण- बी.टी.सी./डी.एल.एड. स्तरीय (आगरा, दीमापुर)
- (iv) त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा- 'हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान', दीमापुर (नागालैंड) त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय वर्ष का अध्ययन पूरा कर लेने के बाद वहाँ के विद्यार्थियों के लिए तृतीय वर्ष का शिक्षण कार्य केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा में होता है।
- (v) विशेष गहन हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (आगरा, दीमापुर) - यह पाठ्यक्रम भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के अप्रशिक्षित हिंदी अध्यापकों के लिए है।

(ख) दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम (स्ववित्तपोषित)

हिंदीतर भाषी राज्यों के सेवारत हिंदी अध्यापकों के लिए दूरस्थ अध्यापक शिक्षा विभाग के अंतर्गत दो वर्ष की अवधि का हिंदी शिक्षण पारंगत (पत्राचार-सह-संपर्क पाठ्यक्रम) का संचालन मुख्यालय आगरा से किया जाता है।

3. नवीकरण एवं संवर्द्धनात्मक कार्यक्रम

हिंदीतर राज्यों के अध्यापकों के लिए केंद्रों द्वारा नवीकरण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसका मार्गदर्शन नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग तथा शैक्षणिक समन्वयक कार्यालय करता है।

नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग गुजरात, कर्नाटक, असम, मिजोरम और मणिपुर राज्य के हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालयों के छात्रों के लिए 30 दिवसीय भाषा संवर्द्धनात्मक कार्यक्रम तथा सिक्किम राज्य के लिए 21 दिवसीय नवीकरण कार्यक्रम आगरा में चलाता है।

राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त अध्यापक राज्यानुसार केंद्रीय हिंदी संस्थान के निम्नलिखित विवरण के अनुसार केंद्रों में नवीकरण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं-

- दिल्ली केंद्र- पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल (आदिवासी क्षेत्र) राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए

2. Teacher Training Programmes

(A) Teacher Training Programmes for the students of Non Hindi States

The Department of Teacher Education at its Headquarter as well as at its Centres Organizes a number of one year and two Years Programmes for the Hindi Teachers of Non-Hindi States & for the students willing to learn Hindi. The courses are as follows:

- (i) **Hindi Shikshan Nishnat** - Equivalent to M.Ed. (Agra)
- (ii) **Hindi Shikshan Parangat** - Equivalent to B.Ed. (Agra)
- (iii) **Hindi Shikshan Praveen** - Equivalent to B.T.C./D.El.Ed. (Agra, Dimapur Centre)
- (iv) **Three year Hindi Teaching Diploma course**-This course is organized for starting two years in Dimapur (Nagaland) but the final year students compulsorily visit and stay at Agra Headquarter to complete the aforesaid diploma.
- (v) **Intensive Hindi Teaching Training Course (Agra, Dimapur)** -This course is designed for the untrained Hindi Teachers of North-East states.

(B) Distance Teaching Programmes (Self-Financed)

This programme is conducted for the period of two years for the In-service Hindi teachers of Non-Hindi speaking states. This is organized by the Department of Distance Teacher Education at the Headquarter, Agra.

3. Refresher and Enrichment Programmes

The Institute runs refresher programmes for the teachers of Non-Hindi states in the guidance of Dept. of Orientation and Extension Programmes and Academic Co-coordinator's office at the Headquarter.

The Dept. of Orientation and Extension Programmes at the Headquarter organizes 30 days language enrichment programme for the students of Government Hindi Teachers Training colleges of Gujrat, Karnataka, Assam, Mizoram and Manipur. The Dept. also runs 21 days orientation programme for Sikkim state in Agra.

All the centres of Kendriya Hindi Sansthan conduct orientation programmes for the teachers deputed by the State Govt. The details are as follows-

Delhi Centre- For the Hindi Teachers of Punjab, J&K and Himachal Pradesh (Tribal Region)

- हैदराबाद केंद्र- आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र एवं केंद्र शासित पांडिचेरी एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - गुवाहाटी केंद्र- असम, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - शिलांग केंद्र- मेघालय एवं मिजोरम के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - मैसूर केंद्र- कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित लक्षद्वीप के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - दीमापुर केंद्र- नागालैंड, मणिपुर के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - भुवनेश्वर केंद्र- उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के हिंदी अध्यापकों के लिए
 - अहमदाबाद केंद्र- गुजरात, दमन दीव तथा दादर और नागर हवेली के हिंदी अध्यापकों के लिए
- Hyderabad Centre-** For the Hindi Teachers of Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Goa, Maharashtra, Union Territory of Pudducherry and Andman & Nicobar Island.
- Guwahati Centre-** For the Hindi Teachers of Assam and Arunachal Pradesh
- Shillong Centre-**For the Hindi teachers of Meghalaya and Mizoram
- Mysore Centre-**For the Hindi Teachers of Karnataka, Kerala and L/T of Lakshadweep
- Dimapur Centre-**For the Hindi Teachers of Nagaland & Manipur
- Bhubaneswar Centre-**For the Hindi Teachers of Orissa and Chhattisgarh
- Ahmedabad Centre-**For the Hindi Teachers of Gujarat, Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli

4. अनुसंधानपरक कार्यक्रम

केंद्रीय हिंदी संस्थान का एक प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों को निरंतर अग्रसर करना है-

- (i) हिंदी शिक्षण की अधुनातन प्रविधियों के विकास के लिए शोध
 - (ii) हिंदी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक व्यतिरेकी अध्ययन
 - (iii) हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान
 - (iv) हिंदी भाषा के आधुनिकीकरण और भाषा-प्रौद्योगिकी के विकास के उद्देश्य से अनुसंधान
 - (v) हिंदी का समाज भाषावैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन
 - (vi) प्रयोजनपरक हिंदी से संबंधित शोध कार्य
- उपर्युक्त अनुसंधानपरक कार्यों के दौरान द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी शिक्षण सामग्री का निर्माण भी संस्थान द्वारा किया जाता है।

5. शिक्षण सामग्री निर्माण और भाषा विकास

केंद्रीय हिंदी संस्थान शिक्षण-प्रशिक्षण और अनुसंधान के अलावा हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्य-पुस्तकों, कोश और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी सामग्री का निर्माण करता है-

- (i) हिंदीतर राज्यों और जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों के लिए हिंदी शिक्षण सामग्री निर्माण
- (ii) हिंदीतर राज्यों के लिए हिंदी के व्यतिरेकी व्याकरण एवं द्विभाषी अध्येता कोशों का निर्माण
- (iii) विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण पाठ्यपुस्तकों का निर्माण

4. Research Oriented Programmes

One of the important objectives of the Sansthan is to focus on research works in the following areas-

- (i) Research for the development of latest methodologies of Hindi teaching
- (ii) Comparative & Contrastive study between Hindi Language and other Indian Languages
- (iii) Fundamental and applied research in the field of Hindi language and Literature
- (iv) Research for the development of language technology and Modernization of Hindi Languages
- (v) Socio-Linguistics surveys and studies of Hindi
- (vi) Research on Functional Hindi

The institute also develops suitable teaching materials for Hindi as a Second and Foreign language during these research oriented programmes.

5. Production of Teaching Material & Language Development

Apart from Teaching-Training & Research work Kendriya Hindi Sansthan develops material for Hindi Teaching with latest technique for the students of Non-Hindi States.

- (i) Production of Hindi teaching materials for the schools of Non-Hindi States & Tribal areas.
- (ii) Production of contrastive grammar of Hindi bilingual learners' dictionaries for Non-Hindi States.
- (iii) Production of Hindi teaching books as a foreign language.

- (iv) कंप्यूटर साधित हिंदी भाषा शिक्षण सामग्री का निर्माण
 (v) दृश्य-श्रव्य माध्यमों से हिंदी शिक्षण संबंधी पाठ्य सामग्री का निर्माण
 (vi) हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के द्विभाषी/त्रिभाषी शब्दकोशों का निर्माण

(क) प्रकाशन

संस्थान द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य, भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी अध्ययन, भाषा एवं साहित्य शिक्षण, कौशल विज्ञान, द्विभाषी कोश आदि से संबद्ध विभिन्न विषयों पर उपयोगी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। अब तक 200 से अधिक पुस्तकें संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा चुकी हैं। साथ ही विभिन्न स्तरों एवं अनेक प्रयोजनों की पाठ्यपुस्तकों तथा अध्यापक निर्देशिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है।

- संस्थान द्वारा निम्नलिखित 08 पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है-

 1. गवेषणा - अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान हिंदी शिक्षण और
 2. आलोचना की त्रैमासिक पत्रिका
 3. संवाद पथ - दिल्ली केंद्र की त्रैमासिक पत्रिका
 4. समन्वय पूर्वोत्तर - गुवाहाटी, शिलांग एवं दीमापुर केंद्रों की संयुक्त त्रैमासिक पत्रिका
 5. समन्वय पश्चिम - अहमदाबाद केंद्र की त्रैमासिक पत्रिका
 6. समन्वय दक्षिण - हैदराबाद और मैसूर केंद्र की संयुक्त त्रैमासिक पत्रिका
 7. शैक्षिक उन्मेष - शिक्षा संबंधी विषयों पर केंद्रित अध्यापक शिक्षा विभाग, मुख्यालय आगरा द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका
 8. भावक - साहित्य चिंतन एवं सर्जनात्मक लेखन संबंधी विषयों पर केंद्रित अनुसंधान एवं भाषा विकास विभाग, मुख्यालय आगरा द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका

 - संस्थान का त्रैमासिक बुलेटिन - संस्थान समाचार
 - इनके अलावा वार्षिक छात्र पत्रिकाओं - हिंदी विश्व भारती और समन्वय का प्रकाशन

- (iv) Production of computer based language teaching material.
 (v) Production of Hindi Teaching material through Audio-visual method.
 (vi) Production of bilingual/trilingual dictionaries of Hindi and other Indian languages

(A) Publication

The Publication Division of Sansthan has published a number of books on various subjects such as Hindi Language and Literature, Applied Linguistics, Comparative and Contrastive linguistics, Language and Literature teaching, lexicography, bilingual dictionaries etc. More than 200 books have been published so far. Textbooks of multiple purposes at different levels and teacher guides have also been published.

- Sansthan is also publishing the following 08 journals and magazines-

 1. **Gaveshna** - A quarterly journal of applied linguistics, Hindi teaching and criticism
 2. **Samvad Path** - A quarterly journal of Delhi Centre.
 3. **Samanvay Purvottar**- A quarterly journal, joint publication of Guwahati, Shillong & Dimapur centers.
 4. **Samanvay Paschim**- A quarterly journal, published by Ahmedabad regional center.
 5. **Samanvay Dakshin** - A quarterly journal, joint publication of Hyderabad & Mysore centres.
 6. **Pravasi Jagat** - A quarterly journal (on Hindi diaspora literature) of Dept. of International Hindi Teaching, Headquarter Agra.
 7. **Shaikshuik Unmesh** - A quarterly journal (on issues of education) of the Dept. of Teachers Education, Headquarter Agra
 8. **Bhawak** - A quarterly journal (on issues of literary thought and creative writing) of Department of Research & Language Development, Headquarter Agra

 - Quarterly Bulleting of Sansthan- **Sansthan Samachar**.
 - Apart for these, the annual students' magazines: **Hindi Vishva Bharti** and **Samanvay** are also published.

(ख) प्रमुख परियोजनाएँ

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के अनुसंधान एवं भाषा विकास विभाग एवं सूचना एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित कुछ प्रमुख परियोजनाएँ इस प्रकार हैं-

1. **हिंदी कॉर्पोरा परियोजना-** केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की प्रकाशित पुस्तकों के माध्यम से हिंदी कॉर्पोरा परियोजना के अंतर्गत तीन करोड़ से ऊपर शब्दों का संकलन किया जा चुका है। अब तक संकलित सामग्री का ऑटोमेटिक व्याकरणिक कोटि निर्धारण किया जा रहा है। इस संकलित सामग्री का उपयोग करते हुए संस्थान द्वारा **हिंदी का आधारभूत शब्दावली (2008)** और **हिंदी क्रिया विशेषण शब्दकोश (2009)** का निर्माण किया जा चुका है। वर्तमान में इस परियोजना के अंतर्गत शिक्षार्थी केंद्रित विभिन्न प्रकार के कोशों का निर्माण किया जा रहा है।

2. **भाषा-साहित्य सी.डी. निर्माण परियोजना-** हिंदी के सर्जनात्मक वैभव को हिंदी शिक्षार्थियों और हिंदी प्रेमी आम जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस परियोजना के अंतर्गत साहित्यकारों के जीवन और कृतित्व पर आधारित ऑडियो, वीडियो के साथ-साथ हिंदी भाषाशिक्षण के मल्टीमीडिया कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। परियोजना के अंतर्गत अभी तक **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, अज्ञेय, त्रिलोचन और फिराक गोरखपुरी** की रचनाओं पर आधारित ऑडियो सी.डी. तैयार की जा चुकी हैं। महादेवी वर्मा के जीवन और कृतित्व पर आधारित एक वीडियो वृत्तचित्र: **पंथ होने दो अपरिचित** का भी निर्माण किया गया है और **नज़ीर अकबराबादी** के जीवन और कृतित्व पर आधारित एक अन्य वीडियो वृत्तचित्र निर्माण तैयार की गई है।

3. **हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना** – हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना के अंतर्गत हिंदी परिवार की 48 लोकभाषाओं के 48 खंडों में शब्द कोशों का निर्माण होना है। इस योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत **भोजपुरी, ब्रजभाषा, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, बुंदेली, अवधी व मालवी कांगड़ी, गढ़वाली, मगही और हरियाणवी लोकभाषाओं के त्रिभाषी, यूनिकोडित डिजिटल लोक शब्दकोशों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।**

4. **लघु हिंदी विश्वकोश परियोजना** – इस परियोजना के अंतर्गत 16 विषय क्षेत्रों से संबंधित विश्वकोश का निर्माण किया जा रहा है।

6. विस्तारपरक कार्यक्रम

(i) संस्थान के मुख्यालय सहित विभिन्न केंद्रों में संपर्क, समन्वयन और वैचारिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से विशेष विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशालाओं का आयोजन।

(B) Major Projects

Some of the major projects running under the Dept. of Research & Language Development and the Department of Information & Language Technology are as follows:

1. **Hindi Corpora Pariyojna:** Kendriya Hindi Sansthan, Agra in collaboration with Central Institute of Indian Languages, Mysore developed Corpus of more than 30 million words of Hindi languages with the help of published books of Hindi in various areas. Out of this corpus, 4.1 million collected words have been tagged. Sasnthan has published *Hindi Ki Adharbhoot Shabdavali* (2008) & *Hindi Kriya Visheshan Shabdkosh* (2009) by using this material. At present various kinds of learners' oriented dictionaries are being prepared.

2. **Bhasha Sahitya C.D. Nirman Pariyojna:** Under this project production of the educational Audio-visual programmes are to be prepared for students and common people, who are interested in Hindi. Multimedia programmes of Hindi language teaching are also being prepared. So far, Audio CD's on **Suryakant Tripathi 'Nirala', Agyeya, Trilochan & Firak Gorakhpuri** have been prepared. An educational documentary titled: **Panth Hone Do Aparichit** on the life and works of Mahadevi Verma has been produced. Besides, another film on the life and works of **Nazeer Akbarabadi** is also complete.

3. **Hindi Lok shabkosh Pariyojna:** Under this project, dictionaries of 48 dialects of Hindi are to be developed. At the initial level Unicode based trilingual digital dictionaries of **Bhojpuri, Brijbhasha, Rajashtani, Chhattisgarhi, Bundeli, Awadhi, Malvi, Kangari, Garhwali, Magahi, and Hariyanavi** are being prepared.

4. **Hindi Vishwa Kosh Pariyojna** – Under this project an Encyclopedia on 16 subject fields is being prepared.

6. Extension Programmes

(i) To organize **Special Extension Lectures and Workshops** in view of contact, co-ordination and exchange of ideas at the Headquarter and its centers.

- (ii) संस्थान के विभिन्न केंद्रों और मुख्यालय में हर साल अखिल भारतीय संवाद एवं व्यापक भाषाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य, हिंदी शिक्षण, पत्रकारिता, भाषा प्रौद्योगिकी, मीडिया आदि पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन।
- (iii) हिंदीतर भाषी राज्यों के हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं प्रचार संस्थाओं के छात्राध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष लिए अखिल भारतीय हिंदी वाद-विवाद, निबंध लेखन एवं कविता आवृत्ति प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- (iv) विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन-काव्य आवृत्ति, काव्य संगीत, प्रादेशिक एवं विश्व के विभिन्न देशों के लोक संगीत, नृत्य एवं लघु नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- (v) संस्थान मुख्यालय आगरा एवं इसके आठ केंद्रों द्वारा वहाँ के क्षेत्रीय महाविद्यालयों के सहयोग से लघु बजटीय संगोष्ठियों का आयोजन।
- (vi) स्थानीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी शिक्षण संस्थाओं का सहयोग।

7. हिंदी सेवी सम्मान योजना

यह योजना सन् 1989 में प्रारंभ हुई। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के उन्नयन, विकास एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्ट कार्यों के लिए हर वर्ष 26 समर्पित विद्वानों को संस्थान द्वारा पाँच लाख रूपए, शॉल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित/पुरस्कृत किया जाता है। इन पुरस्कारों का विवरण निम्न प्रकार है-

- गंगाशरण सिंह पुरस्कार (प्रतिवर्ष 4 विद्वान)
- (ii) गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (iii) आत्माराम पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (iv) सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (v) महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (vi) डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (vii) पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (viii) सरदार वल्लभ भाई पटेल पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (ix) दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (x) स्वामी विवेकानंद पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (xi) पंडित मदन मोहन मालवीय पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- (xii) राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
- वर्ष 2015 तक के कुल 399 विद्वान पुरस्कृत हो चुके हैं।

- (ii) To organize National Seminars on Linguistics, Hindi Literature, Hindi Teaching, Journalism, Language Terminology, Media etc. at the Headquarter and its centers every year for greater linguistic and cultural exchange at all India level.
- (iii) To organize all India Hindi debate competition essay writing and poetry recitation for trainees of the Hindi Teaching Training Colleges and propagation Institute of Non-Hindi State.
- (iv) To organize cultural competition such as folk music, dance and short play of various regions and countries of the world for the students.
- (v) To organize small budgetary seminars by the Headquarter and at its centers with the support of regional colleges.
- (vi) To help out the town official language implementation committee and other Hindi teaching institutions.

7. Hindi Sevi Samman Yojana

This plan was initiated in 1989. Sansthan awards the Hindi scholars selected from all over India for their remarkable works regarding Promotion, Propagation and Development of Hindi at National and International level. The selected 26 scholars are awarded with a taken prize of Rs. 05 lakh in cash, shawl and plaque for their contribution. The detail of these awards are as given below-

- (i) Ganga Sharan Singh Award (4 scholars per year)
- (ii) Ganesh Shankar Vidyarthi Award (2)
- (iii) Atmaram Award (2)
- (iv) Subramanya Bharti Award (2)
- (v) Mahapandit Rahul Sankrityayan Award (2)
- (vi) Dr. George Grierson Award (2)
- (vii) Padmabhushan Dr. Moturi Satyanarayan Award (2)
- (viii) Sardar Ballabh Bhai Patel Award (2)
- (ix) Deendayal Upadhjyay Award (2)
- (x) Swami Vivekanand Award (2)
- (xi) Pt. Madan Mohan Malviya Award (2)
- (xii) Rajarshi Purushottam Das Tandan Award (2)
- Total 399 scholars have been awarded till 2015.**

8. पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण और हिंदी साहित्य के विभिन्न विषयों की पुस्तकों के विशेषीकृत संग्रह की दृष्टि से हिंदी के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है। इसमें लगभग 75000 पुस्तकें व 2000 सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं और लगभग 75 पत्रिकाएँ (शोध एवं अन्य) पुस्तकालय में हर महीने आती हैं। इसका नया संदर्भ प्रभाग अद्वितीय है। कवि/लेखकों की जन्म जयंती पर साहित्यिक परिचर्चा और सप्ताहव्यापी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। समस्त केंद्रों पर भी पुस्तकालय एवं वाचनालय की अच्छी व्यवस्था है।

9. प्रबंधन

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 1961 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन है जो केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित है। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के अध्यक्ष पदेन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री महोदय होते हैं। इसके एक उपाध्यक्ष एवं सचिव होते हैं। संस्थान का निदेशक ही केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल का पदेन सचिव होता है। वही संस्थान का प्रमुख होता है। इनके अधीन विभिन्न विभागाध्यक्ष, केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशक, कुलसचिव, उप कुलसचिव, लेखाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन एवं शैक्षिक) एवं पुस्तकालय अधीक्षक होते हैं जिनके माध्यम से प्रशासन एवं शैक्षिक कार्यालय संपन्न होते हैं। इन सबके साथ पर्याप्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कर्मचारी नियुक्त हैं।

संस्थान परिसर

केंद्रीय हिंदी संस्थान मुख्यालय आगरा का मुख्य भवन, गाँधी भवन, अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार, मोटूरि सत्यनारायण छात्रावास, प्रेमचंद छात्रावास, महादेवी वर्मा अंतरराष्ट्रीय महिला छात्रावास एवं सुभद्रा कुमारी चौहान छात्रावास संस्थान परिसर में सुचारु व्यवस्था के साथ स्थित हैं। इसके अलावा अतिथि गृह और संस्थान कर्मियों के लिए आवासीय परिसर की व्यवस्था है। मुख्यालय के अलावा इस समय दिल्ली और मैसूर केंद्र भी अपने नवनिर्मित भवनों में संचालित किए जा रहे हैं। हैदराबाद एवं शिलांग के भवन निर्मित हो चुके हैं।

संस्थान से संबद्ध प्रशिक्षण महाविद्यालय

हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण के स्तर को समुन्नत करने तथा पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के उद्देश्य से अहिंदी भाषी राज्यों के उत्तर गुवाहाटी (असम), आइजोल (मिजोरम), मैसूर (कर्नाटक), दीमापुर (नागालैंड), के राजकीय हिंदी शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालयों को संस्थान से संबद्ध किया गया है। इन महाविद्यालयों में संस्थान का पाठ्यक्रम प्रयोग किया जाता है।

8. Library

KHS has one of the best specialized collections of books on Linguistics, Applied Linguistics, Language teaching and Hindi Literature. The Library has a collection of 75000 books, 2000 hard bound journals and about 75 journals (research and others) are purchased to library every month. The reference section of library is exclusive. A week long exhibition and literary discussion is conducted on the birth anniversary of the poets/authors. All the Regional centers have also good arrangement of library and reading room.

9. Management

KHS, Agra was established in 1961 is an autonomous organization under the Ministry of Education, Govt. of India. It is governed by Kendriya Hindi Shikshan Mandal. Hon'ble Cabinet Minister of the Ministry of Education is the Ex-officio Chairman of KHSM. The Mandal has a Vice chairman and Secretary. The Director of KHS is the Ex-officio Secretary of KHSM as well as the Head of the Institute. Various HODs, Regional Directors of centers, Registrar, Deputy Registrar, Accounts Officer, Administrative Officer (Academic & Administration) and Librarian work under the Director and perform their relevant duties. Sufficient strength of assistants both in academic and administrative group are appointed with them.

Campus of the Sansthan

The Headquarter of KHS, Agra is situated at Agra. Main Building, Gandhi Bhawan, Atal Bihari Vajpeyee International Auditorium, Motori Satya Narayan Hostel, Premchand Hostel, Mahadevi Verma International Women's Hostel and Subhadra Kumari Chauhan Hostel are well managed. Besides it there is a Guest House and Residential Quarters for the employees of the Institute. In addition to the Head Quarter, Delhi and Mysore centers are being run in newly constructed building at present. New buildings of Hyderabad and Shillong centers are also complete.

Training Colleges affiliated to the Sansthan

In order to improve the level of Hindi teaching training and bring uniformity in the course structure, the Hindi Teacher Training Colleges of North Guwahati (Assam), Aizol (Mizoram), Mysore (Karnataka) and Dimapur (Nagaland) are affiliated to the Institute. The courses of Sansthan are being used in these colleges.

हमारी भावी योजनाएँ

- संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का विस्तार: कोलंबो (श्रीलंका) में द्वारा सिंहली विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। वर्तमान में यह पाठ्यक्रम एसवीसीसी, कोलंबो और केंडी केंद्र पर संचालित है। नान्गरहर विश्वविद्यालय (जलालाबाद), अफगानिस्तान में संस्थान द्वारा निर्मित बी.ए. का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। इसी प्रकार दुनिया के अन्य देशों में भी संस्थान के हिंदी शिक्षण पाठ्यक्रम आरंभ करवाने की योजना
- नये पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति: संस्थान मुख्यालय और विभिन्न केंद्रों पर कुछ नये दक्षतापरक पाठ्यक्रम आरंभ करने की कार्य योजना। शिक्षण पद्धति एवं प्रविधि की गुणवत्ता, नये तकनीकी संसाधनों के उपयोग के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की योजना। संस्थान के विविध पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों और प्रशिक्षणार्थियों की संख्या और देश भर में संस्थान का प्रसार क्षेत्र बढ़ाने की योजना।
- विश्व भर में स्थित भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों पर संस्थान की गतिविधियों को प्रारंभ करने पर विचार।
- विश्व के कुछ देशों में हिंदी पीठ तथा साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों के कुछ शहरों में केंद्र स्थापित करने की योजना।
- संस्थान के सभी प्रमुख पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार अनिवार्य हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण का समावेश। अधुनातन तकनीक पर आधारित हिंदी शिक्षण एवं ऑनलाइन हिंदी शिक्षण की योजना पर कार्य शुरू।
- संस्थान के विभिन्न केंद्रों में भाषा प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना।
- हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं लोकप्रियता के लिए शैक्षिक ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम, लघु फिल्म निर्माण, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और शैक्षिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लगातार आयोजन

Future Plans:

- **Expansion of Academic Programmes of the Sansthan:** Colombo (Sri Lanka) started the course of Kendriya Hindi Sansthan for the Sinhalese students since 2007-08. Presently this course is being run at SVCC, Colombo and Candy Center. The Institutes developed B.A. course has also been started at Nangarhar University, Jalalabad, Afghanistan since 2007-08. There is also a plan to develop similar kind of Hindi Teaching Programmes in other countries of the world.
- **Initiation of New Courses:** Initiation of new vocational courses at Head Quarter and different centers of the Sansthan are under process. There is also a plan of R&D for developing the Quality of teaching techniques and methodologies, the use of new technological resources. Plan to increase the number of the students and trainees and to expand the activities of Sansthan all over the country.
- Kendriya Hindi Sansthan is planning to start its activities at the various Indian cultural Centers all over the world.
- Plan to establish Hindi Chairs in various countries of the world together with starting the center in the cities of different states of India.
- All the major courses of the Sansthan are to be included mandatory with Computer Training in Hindi. Work has been started to equip Hindi Teaching with latest technique and to develop Online Hindi Teaching.
- There is a plan to establish Language Laboratories at Various Centres.
- Production of Educational Audio-Visual programmes and short films, to organize Seminars, Workshops and Academic-Cultural Programmes continuously.

संपर्क / Contact:

केंद्रीय हिंदी संस्थान Central Institute of Hindi
हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282005 Hindi Sansthan Marg, Agra-282005
(उ.प्र.)भारत (U.P.) India

टेलीफैक्स/ telefax: 0562-2530684, 0562-2530159

वेबसाइट / Website: www.khsindia.org

ई-मेल / E-Mail : directorkhs1960@gmail.com , registrarofficekhs1960@gmail.com